तापमान
अधिकतम 29.1 डिग्री
न्यूनतम 5.2 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 10 फरवरी 2025

12 सर छोटूराम स्कूल गतौली ने मनाया वार्षिकोत्सव

12 इंडस में दी जाएगी उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग

खबर संक्षेप

कार ने मारी टक्कर बाइक सवार 3 घायल

जींद। गांव नगूरां के निकट तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दंपत्ति समेत तीन घायल हो गए। अलेवा थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांव बधाना निवासी रामरत्न ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी नगूरां में दुकान है। शाम को वह अपनी पत्नी तथा बेटी को बाइक पर लेकर घर जा रहा था। गांव नगूरां के निकट तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें तीनों घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर चालक कार समेत मौके पर फरार हो गया। राहगीरों ने तीनों का नागरिक अस्पताल पहुंचाया। अलेवा थाना पुलिस रामरत्न की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कार की टक्कर लगने से बाइक सवार 2 घायल

जींद। गांव जामनी चौक के निकट जींद रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज शुरु कर दी है। गांव जामनी निवासी चैन सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव के मनदीप के साथ फैक्टरी में काम करता है। गत दिवस दोनों बाइक पर सवार हो कर काम पर जा रहे थे।

घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म, मामला दर्ज

जींद। सदर थाना सफीदों इलाका गांव में रात को घर में घुस कर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। सदर थाना सफीदों इलाका गांव की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात गांव का ही अमन उनके घर में घुस आया और उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। देर रात को घर में घुसे होने का अहसास होने पर जब उन्होंने आरोपित को पकडऩे की कोशिश की तो आरोपित फरार हो गया।

7.46 किलो गांजा समेत एक महिला गिरफ्तार

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने गांव धमतान साहिब के भूलण मोड पर एक महिला को काबू कर उसके कब्जे से सात किलो 46 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस पकड़ी गई महिला से पूछताछ कर रही है।

गढ़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव धमतान साहिब निवासी संतरा गांव के निकट भूलण मोड पर नशीले पदार्थ बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रही है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो एक बुजुर्ग महिला हाथ में कट्टा उठाए दिखाई दी। महिला पुलिसकर्मियों ने जब कट्टे की तलाशी ली तो उसमें गांजा बरामद हुआ। जिसका वजन सात किलो 46 ग्राम पाया गया। पुलिस पूछताछ में महिला की पहचान गांव धमतान साहिब निवासी संतरा के रुप मे हुई। पुलिस ने संतरा के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरु कर दी है।

रेलवे गेटमैन की हत्या का मामला गरमाया

रेलवेकर्मी संदेह के दायरे में परिजन गिरफ्तारी पर अड़े

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

गांव सिल्लाखेड़ी में रेलवे गेटमैन की हत्या को लेकर परिजनों ने सहयोगी रेलवेकर्मियों पर संदेह जताया है। रविवार को परिजनों ने सहयोगी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव को नागरिक अस्पताल से उठाने में मना कर दिया। काफी देर तक माहौल गहमागहमी का बना रहा। जांच अधिकारी द्वारा दोषियों की किसी भी सूरत में न बख्शे जाने का आश्वासन देने के बाद परिजन शव को उठाने को राजी हुए।

क्या था मामला

गांव जामनी निवासी रेलवे में गेटमैन के पद डयूटीरत मनीष शुक्रवार दोपहर बाद गांव सिल्लाखेड़ी फाटक पर अपनी डयूटी पर गया था। वहीं पडोस में शादी में भी शामिल हुआ था। जिसके बाद देर शाम को मनीष की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे। मृतक के शव को नागरिक अस्पताल सफीदों ले जाया गया। मामला शादी में कहासुनी से जोड़ा गया। पुलिस ने मृतक के भाई राकेश की शिकायत अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। जींद नागरिक अस्पताल मे चिकित्सक बोर्ड से हुआ पोस्टमार्टम मृतक के परिजनों ने चिकित्सक बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग पर शव को नागरिक अस्पताल जींद लाया गया। जहां पर रविवार को चिकित्सक बोर्ड द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया।

जींद। मृतक परिजनों को समझाते हुए पुलिसकर्मी। फोटो हरिभूमि

समझाने पर शव उठाने को हुए राजी

मृतक के परिजनों ने रेलवे सहकर्मी पर संदेह जताते हुए उसकी गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों ने गिरफ्तारी न होने तक शव को उठाने से मना कर दिया। काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। मृतक के भाई राकेश मे बताया कि उसके भाई की हत्या में सहकर्मी शामिल है। सहकर्मी ने उसके भाई को डूयटी पर नही दिखाया। जबकि रात को उसके भाई ने तीन ट्रेन को क्रॉस करवाया था। जिसकी सूचना उसने अपने मोबाइल से भेजी हुई है। फिर सहकर्मी डयूटी पर न होने की बात क्यों कर रहा है। मौके पर मौजूद जांच अधिकारी ने आश्वासन दिया कि हत्या में शामिल लोगों को किसी सूरत में नही बख्शा जाएगा।

मामाला दर्ज

सदर थाना सफीदों के जांच अधिकारी नरेंद्र ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच में जिनके नाम सामने आएंगें, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आज

- सभी सरकारी व निजी स्कूलों में दिखाया जाएगा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

प्रधानमंत्री का परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम सोमवार को जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में दिखाया जाना है। इसके लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी किया है। सभी स्कूलों में यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे दिखाना अनिवार्य है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ सभी शिक्षक भी शामिल होंगे। इसके लिए अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया है। निदेशालय ने सभी स्कूलों में सीधा प्रसारण दिखाने के लिए किए जाने वाले प्रबंध करने के जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश दिए हैं। वहीं कार्यक्रम दिखाने के लिए स्क्रीनए एजुसेट व इंटरनेट इत्यादि सभी प्रबंध दुरुस्त करने के आदेश दिए गए हैं। यह कार्यक्रम छठी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाएगा। जिलेभर में 724 राजकीय व 387 प्राइवेट स्कूल हैं। जिसमें लगभग अढाई लाख विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी स्कूलों में दिखाया जाएगा। कार्यक्रम के लिए स्कूल को 30 हजार रुपये तक खर्च करने की अनुमति दी है। यह खर्च स्कूल अपनी ग्रांट से कर सकते हैं।

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो हरिभूमि

आज प्रधानमंत्री विद्यार्थियों को परीक्षा पर देंगे टिप्स

जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा देवी ने बताया कि स्कूलों में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाना है। इसके लिए सभी स्कूलों में व्यवस्था की गई है। इसके लिए सभी अधिकारियों व स्कूल मुखियाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कातिलाना हमले के 4 आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

गांव माघो माजरी में एक व्यक्ति पर कातिलाना हमला करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा 4 आरोपियों को काबू कर लिया गया। माघो माजरी निवासी नरेश की शिकायत अनुसार 6 फरवरी की सुबह उसका पिता रणधीर खेत से चारा लेकर घर की तरफ आ रहा था। स्कूल के पास गांव के ही प्रदीप व 3 अन्य व्यक्तियों ने उसके पिता पर गंडासी व अन्य हथियारों से हमला कर दिया तथा चोटे मारी व मौके से फरार हो गए। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज किया गया था। एसपी राजेश कालिया द्वारा जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए थे। यूनिट प्रभारी एसआई रमेश कुमार की अगुवाई में एसआई वीरेंद्र द्वारा आरोपी गांव माघो माजरी निवासी प्रदीप, जिला जींद के गांव पेगा निवासी अभिषेक तथा जिला झज्जर के गांव परनाला निवासी प्रिंस व रितेश को काबू कर लिया गया। प्रदीप की बुआ के नाम गांव में पौना किला जमीन थी। उक्त जमीन प्रदीप के परिवार द्वारा मना करने पर भी रणधीर द्वारा खरीद ली गई।

कैथल। कातिलाना हमला करने वाले चारों आरोपी पुलिस के साथ।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 14 फरवरी को

- पीएम श्री राजकीय कन्या विद्यालय जखोली अड्डा में आयोजित होगी विज्ञान प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वाधान में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखोली अड्डा में 14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबुल करवा शिरकत करेंगे। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज कुमारी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में तीन मुख्य इवेंट्स - मॉडल मेकिंग, रोल प्ले कॉम्पिटिशन और पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन में जिले के विभिन्न खंडों से 300 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। खंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिला स्तर पर भाग लेंगे। प्रदर्शनी में मुख्यतः सात थीम्स होंगे, जिनमें खाद्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, परिवहन और संचार, प्राकृतिक कृषि, आपदा प्रबंधन, गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन प्रबंधन पर विद्यार्थियों द्वारा मॉडल्स, रोल प्ले और पोस्टर्स प्रदर्शित किए जाएंगे। निर्णायक मंडल में कॉलेज प्रोफेसर को बुलाया गया है जिसमें मुख्यतः आरकेएसडी कॉलेज ,चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय पुंडरी तथा इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय कैथल के प्रोफेसर जजमेंट करेंगे। जो विद्यार्थी रोल प्ले के लिए पूरी पोशाक में आए तथा जो विद्यार्थी मॉडल बनाकर लेकर आएंगे वह अपने विद्यालय के नाम का पोस्टर जिस पर मॉडल संबंधित सारी जानकारी हो साथ लेकर आएंगे।

विजेताओं को मिलेगा इनाम

सहायक परियोजना संयोजक कुशल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जो विद्यार्थी प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करेंगे उनको 1000 तथा 800 रुपये इनाम दिया जाएगा इस प्रकार तीनों प्रतियोगिताएं मिलकर विद्यार्थियों को 37000 के इनाम दिए जाएंगे प्रत्येक प्रतिभागी तथा विजेता विद्यार्थी को को प्रशंसा पत्र दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में केवल वही विद्यार्थी भाग ले सकेंगे जो खंड स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करके आए हैं।

दूषित तालाबों का होगा सौंदर्यीकरण नवग्रह कुंडों का कोई जिक्र नहीं

हरिभूमि न्यूज. ▸▸ कैथल

अखिल भारतीय हिन्दू महासंघ के सदस्यों ने भिन्न भिन्न 3777 तालाबों का होगा सौंदर्यकरण के समाचार बारे कहा कि इनमें महाभारत कालीन नवग्रह कुण्डो का कोई जिक्र नही है। कैथल के नवग्रह कुण्ड जिला कैथल के ही ध्यान नही है परंतु सारे हरियाणा के साथ साथ भारत की भी ध्यान है। यह नवग्रह कुण्ड जैसे कि बृहस्पति कुंड, बुध कुंड, शनि कुंड, सूर्य कुंड तथा शुक्र कुंड यह पांच कुंड जिंदा तो है परंतु हालात बहुत बुरे है तथा 4 कुंड जिनपर नाजायज कब्जा हो चुका है जैसे कि केतु कुंड (कुम्हार वाला) राहु कुंड (तानु वाला) भौम कुंड (अरणी वाला) चन्द्र कुंड (सौम कुण्ड)। यह सभी नवग्रह कुण्ड कैथल के सीवन गेट, माता गेट तथा क्योडक गेट पर स्थित है। इन कुंडो के लिए लगभग 15 सालों से अखिल भारतीय हिन्दू महासंघ भिन्न भिन्न विभागों का पत्र लिख चुके हैं।

अखिल भारतीय हिन्द महासंघ ने उठाई आवाज

कैथल के 5 नवग्रह कुण्डो का तो सौदर्यकरण करवाया जाएं बाकि 4 कुण्ड जिस पर अनाधिकृत कब्जा हो चुका है उनको बतौर निशानी उन कुण्डो के आस-पास 20-20, 25-25 गज के कुण्ड बनाए जाएं। इन सभी 4 कुण्डो का कब्जा 25-30 सालों से है। कैथल की जनता ने खुद इन नवग्रह कुण्डो में स्नान किया है। यह नवग्रह कुण्ड कैथल की शान हैं। इनको जरूर से जरूर बनवाया जाएं। इस मौके पर चेयरमैन सतपाल गुप्ता, प्रधान सोमदत्त कौषिक, महासचिव चन्द्र प्रकाष् यर्मा, बलवंत सिंह जाटान, लाजपत राय सिंगला, जिले सिंह कठवाड़ आदि अनेक मौजुद थे।

आरकेएसडी कॉलेज स्टाफ बना क्रिकेट चैम्पियन

- नॉन-टीचिंग और टीचिंग फैकल्टी में हुआ क्रिकेट मैच

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

रोमांचक मुकाबले में नॉन-टीचिंग टीम विजयी आर.के.एस.डी. कॉलेज का मैदान क्रिकेट के जबरदस्त मुकाबले का गवाह बना, जहां नॉन-टीचिंग स्टाफ ने कड़े संघर्ष में टीचिंग फैकल्टी को हराकर जीत हासिल की। वार्षिक स्टाफ क्रिकेट मैच कॉलेज की एक शानदार परंपरा रही है और आज के मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार प्रतिभा और खेल भावना का परिचय दिया। मैच का उद्घाटन प्रबंधन समिति के प्रधान अश्वनी शोरेवाला ने किया। टॉस जीतकर टीचिंग टीम के कप्तान डॉ जयबीर धारीवाल ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल और डॉ. सी.बी. सैनी ने पारी की शुरूआत करते हुए क्रमशः 24 और 29 रन जोड़े। डॉ. विनोद मान 35 रनों की शानदार पारी के साथ शीर्ष स्कोरर रहे, जिसमें कई चौके शामिल थे। टीचिंग टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 169 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। नॉन-टीचिंग टीम की पारी जसबीर सिंह के नेतृत्व में शुरू हुई, लेकिन टीचिंग टीम के कप्तान डॉ जयबीर धारीवाल ने अपने पहले 2 ओवर के स्पैल में 3 विकेट्स चटकाकर नॉन-टीचिंग टीम को मुश्किल में डाल दिया।शुरूआती झटकों के बाद रविंद्र सिंह 47 रन और विशाल गुप्ता 38 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी ने टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। मैच को रोमांचक बनाते हुए अशोक कुमार ने ताबड़तोड़ 23 रन बनाए, जिसमें कई चौके और एक शानदार छक्का शामिल था।

अंत में बलवान सैनी के निर्णायक छक्के ने टीम को 2 विकेट से यादगार जीत दिलाई। टीचिंग टीम के कप्तान डॉ. जयबीर धारीवाल ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट चटकाए। मैच की सजीव और रोचक कमेंट्री डॉ. रामफल मौन और डॉ. अशोक अत्री ने की, जबकि डॉ. विकास भारद्वाज ने कॉलेज के फेसबुक पेज पर लाइव कवरेज सुनिश्चित की। पुष्पेंद्र और लक्ष्य ने अंपायर की भूमिका निभाई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में पूर्व अध्यक्ष श्री अनिल शोरेवला, कोषाध्यक्ष श्री सुनील चौधरी शामिल हुए। मैच के उपरांत, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, उप-प्राचार्य एवं टीम मैनेजर डॉ. सत्यबीर मेहला, तथा शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष एवं कोच डॉ. गुरदीप भोला ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किए। कॉलेज के टीचिंग नॉन टीचिंग स्टाफ के अलावा भारी संख्या में छात्र-छात्राएं दर्शक के रूप में उपस्थित रहे।

कैथल। चैंपियन बनी आरकेएसडी कॉलेज की टीम। फोटो हरिभूमि

जींद। परीक्षा देते हुए बच्चे। फोटो : हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू में हुआ छात्रवृत्ति परीक्षण

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में हुए छात्रवृत्ति परीक्षण में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस परीक्षण में लगभग 593 छात्रों ने भाग लिया। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जो छात्रों की उत्साहवर्धन और शिक्षा के प्रति उनके उत्साह को दर्शाता है। इस परीक्षण में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या का परिणाम यह हुआ है कि छात्रों में शिक्षा और ज्ञान के प्रति एक अद्बितीय उत्साह है। इसे देख कर विद्यालय प्रशासन ने इस उत्साह की सराहना की है और छात्रों को उनकी मेहनत और उत्साह के लिए प्रशंसा व्यक्त की। हम यहां यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि छात्रों को उच्च शिक्षा की प्राप्ति में सहायता प्रदान की जा सके और उन्हें उनके उत्कृष्टता की पहचान मिले। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि इस सशक्त प्रयास के द्वारा छात्र व छात्राओं को उनकी अद्बितीय योग्यताओं का पता लगाने और उन्हें आगे की शिक्षा के क्षेत्र में प्रगट करने का मौका मिला है।

रानी तालाब पर 11 कुंडीय यज्ञ और दिव्य महाआरती आज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

जगतगुरु त्रिपुरा पीठाधीश्वर चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट पूज्य श्रीश्री 1008 श्री हरिओम महाराज द्वारा हरियाणा में निकली जा रही जागृति यात्रा सोमवार 10 फरवरी को जींद के रानी तालाब पर पहुंचेगी। जींद में पहुंचने पर जागृति यात्रा का एडवोकेट सरदार अभिषेक सिंह व ईश्वर सिंह लोहचब के नेतृत्व में श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत सत्कार किया जाएगा। यात्रा के हिसार मंडल संयोजक ज्योति प्रकाश व उचाना हलका संयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि हरिओम महाराज के सानिध्य में कुरुक्षेत्र के केशव थीम पार्क में आगामी 18 से 27 मार्च तक नौ दिवसीय 1008 कुंडीय शिव-शक्ति महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। जनकल्याण हेतु किए जा रहे इस पुण्यदायी आयोजन के लिए जींद वासियों को निमंत्रण देने 10 फरवरी को स्वयं श्री हरिओम महाराज जींद आ रहे हैं। जींद पहुंचने पर गुरु महाराज का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर यज्ञ सम्राट श्री हरिओम महाराज के सानिध्य में सुबह 10 बजे जींद के ऐतिहासिक रानी तालाब पर 11 कुंडीय यज्ञ व दिव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात शाम को छह बजे महाराज के द्वारा रानी तालाब पर ही दिव्य महाआरती की जाएगी।

कार्यक्रम

सेक्टरवासियों की गर्मियों में पेयजल समस्या होगी दूर

मेन वाटर वर्क्स में लगेगा ट्यूबवेल, खर्च होंगे साढ़े 23 लाख

- सेक्टर 11 में सीवरेज व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने गर्मियों के मौसम को देखते हुए सेक्टरवासियों के पेयजल किल्लत के समाधान को लेकर कार्यालय मेन वाटर वर्कस में एक ट्यूबवेल लवाएगा। इस पर 23 लाख 33 हजार 251 रुपये की राशि खर्च होगी। वहीं सेक्टर 11 में 11 लाख 83 हजार 914 रुपये की राशि से बकेट टाइप मशीन द्वारा सीवरेज लाइन की सफाई व मरम्मत को लेकर काम किया जाएगा। इसके लिए एचएसवीपी ने टेंडर लगाया है। फरवरी माह के तीसरे माह में इसकी ऑनलाइन बिड खुलेगी। टेंडर अलॉट होने के बाद तीन माह में ट्यूबवेल संबंधित एजेंसी लगाएगी।

गौरतलब है कि सेक्टर छह, सात, आठ व नौ शहर के पॉश क्षेत्र में आते हैं। यहां सिविल लाइन थाना, पॉलीक्लीनिक सहित चार से पांच निजी अस्पताल भी हैं। चारों सेक्टरों में 2500 मकान हैं। जिसमें लगभग दस हजार की आबादी है। सेक्टर छह, सात, आठ व नौ में नहरी पेयजल की सप्लाई होती है। गर्मियों में कई बार नहर नही आती तो सेक्टरवासियों को नहरी पेयजल सप्लाई मुहैया करवाने में एचएसवीपी को परेशानी होती है। वहीं सेक्टरवासियों की मांग है कि सेक्टरों में खस्ता सड़कहालत का भी सुधार किया जाए। सेक्टरों में सडक़े टूटी पड़ी हैं। जिस कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। सेक्टरों की सड़कें निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज, नरवाना-रोहतक हाईवे व सफीदों रोड को जोड़ती हैं। ऐसे में यहां वाहनों का आवागमन ज्यादा है। सडक़ों पर गहरे गड्ढे हैं, जिससे गिरकर वाहन चालक चोटिल हो जाते हैं। वहीं सेक्टरों के खाली पड़े प्लॉट में सीवरेज का गंदा पानी जमा रहता है। सेक्टर आठ के प्रधान सतबीर बांगड़ ने बताया कि सेक्टरों के प्लाट में सीवरेज का गंदा पानी जमा होने पर हर समय बदबू आती रहती है। इससे लोगों के बीमार होने का डर बना रहता है। इसके अलावा सडक़े टूटी हुई हैं। सेक्टरों में मूलभूत सुविधाओं की कमी है।

जींद। एचएसवीपी कार्यालय। फोटो हरिभूमि

टेंडर अलॉट होने पर संबंधित एजेंसी कार्य करेगी

एचएसवीपी जेई अनुज ढांडा ने बताया कि एचएसवीपी का प्रयास है कि लोगों की समस्या का समाधान किया जाए। एचएसवीपी द्वारा सेक्टरों में सुधार कार्य को लेकर टेंडर लगाए गए हैं। टेंडर अलॉट होने के बाद संबंधित एजेंसी कार्य करेगी। सेक्टर वासियों को गर्मियों के मौसम में पेयजल की दिक्कत नही हो, इसके लिए एचएसवीपी द्वारा मेन वाटर वर्कस में ट्यूबवेल लगाया जाएगा। इसके अलावा सेक्टर 11 में भी सीवरेज व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा।

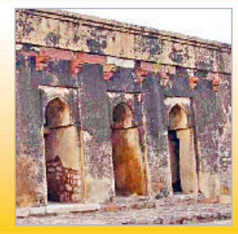

गुजरी महल

हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

अंग्रेजों ने हरियाणा क्षेत्र के सहारे किया था शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

अंग्रेजों ने दिल्ली सिंहासन पर अधिकार जमाने के लिए हरियाणा को सहायक बनाने की रणनीति को कारगर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हरियाणा के उत्तरी और दक्षिणी के इलाकों को अलग-अलग रियासतें और जागीरें बनाकर दिल्ली के तीन तरफ छावनियां गठित करके अंग्रेजों ने शासन किया। हरियाणा में 'बांटो और राज करो' की नीति के तहत प्रलोभन देकर हरियाणा को सहायक बनाकर अपने शासन को सशक्त बनाया। वहीं भारतीय शासक महाराजा रणजीत के निधन के बाद उन्होंने लाहौर से अफगानिस्तान तक आक्रमण किये। हरियाणा में आज भी अंग्रेजों की गठित छावनियों और और जागीरों के प्रमाण देखे जा सकते हैं। दिल्ली में अंग्रेजी शासन को सशक्त बनाने के लिए हरियाणा को सहायक बनाने की रणनीति के तहत 1803 में जब अंग्रेज अत्याधिक सुनियोजित ढंग से आगे बढ़ते हुए दिल्ली तक पहुंचे तो तत्कालीन परिस्थितियों का सूक्ष्मता से आकलन करते हुए सितम्बर 1803 में दिल्ली पर धावा बोल दिया। तब दिल्ली में नाममात्र बादशाह शाह आलम न केवल अन्धा था, बल्कि मराठा नेता सिन्धिया के संरक्षण में विराजमान था और मराठों का सेनापति जनरल पैरों (फ्रान्सिसि) अंग्रेजों से मिल चुका था। इसलिए अंग्रेजों ने उपलब्ध मराठा सेना से एक दिन का औपचारिक युद्ध करके दिल्ली सिंहासन पर अधिकार किया था। उसके बाद उन्होंने दिल्ली पर अपने शासन को स्थायित्व कायम रखने के लिए नई सैन्य व्यवस्था स्थापित की।

इसके लिए दिल्ली के तीन तरफ स्थित हरियाणा क्षेत्र में नई छावनियां गठित करनी पड़ी। दरअसल, वर्ष 1803 के आस पास वर्तमान हरियाणा क्षेत्र के उत्तर में जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, कुन्जपुरा, अम्बाला, पटियाला, लाडवा, रादौर आदि विभिन्न छोटे-छोटे रजवाड़े बने हुए थे। जबकि हरियाणा के दक्षिण पश्चिम में बल्लभगढ़, फरुखनगर, बहादुरगढ़ एवं साथ लगते राजपुताना राज्य थे। इसलिए वे सभी अपने-अपने सैन्य सामर्थ्य अनुसार इकट्ठे होकर दिल्ली स्थित अंग्रेजों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकते थे। ऐसी परिस्थितियों में अंग्रेजों ने 'बांटो व राज करो' की नीति के अतिरिक्त प्रलोभन देकर अपने सहायक बनाने की नई रणनीति निर्धारित की थी। नई छावनी बनाने की नीति के अनुसार अंग्रेजों ने सर्वप्रथम 1805 में करनाल को सैन्य ठिकाना बनाया ताकि इससे उत्तर हरियाणा स्थित छोटे-छोटे शासकों पर तो नियन्त्रण रहेगा ही, बल्कि पंजाब की तरफ आगे बढ़ने में भी करनाल छावनी सहायक सिद्ध होगा। इसी प्रकार दक्षिण हरियाणा व राजपुताना राज्यों पर नियन्त्रण रखने के लिए अंग्रेजों ने 1808 के आसपास भाड़ावास में नई छावनी बना ली। भाड़ावास, रेवाड़ी के पास एक गांव है जहां अंग्रेजों के बारुदखानों आदि के खंडहर आज भी देखे जा सकते हैं। यद्यपि 1819 में उन्होंने भाड़ावास छावनी को गुड़गांव मे शिफ्ट कर लिया था, जिसको हिदायतपुर छावनी का नाम दिया गया था।

भाड़ावास छावनी में मौजूद खंडहर अवस्था में बारुद खाना के अवशेष।

अंग्रेजों ने वर्तमान हरियाणा का सम्पूर्ण क्षेत्र अपने सहायकों में बांटकर नई नवाबी तथा जागीरें स्थापित कर डाली। 1804 से झज्जर को रियासत बनाकर निजाबत अली खां को प्रथम नवाब बना दिया। ऐसे ही पटौदी को फैज तलब खां, मेवात व लोहारू को अहमद बक्स खां, दुजाना को अब्दुस समद खां को सौंप दिया।

हरियाणा में बनाई कई रियासतें

अंग्रेजों ने इन सैन्य तैयारी के साथ-साथ दूसरा महत्त्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम नई रियासतें बनाने का उठाया था। उन्होंने वर्तमान हरियाणा का सम्पूर्ण क्षेत्र अपने सहायकों में बांटकर नई नवाबी तथा नई जागीरें स्थापित कर डाली। जैसे 1804 से झज्जर को रियासत बनाकर निजाबत अली खां को प्रथम नवाब बना दिया। ऐसे ही पटौदी को फैज तलब खां, मेवात व लोहारू को अहमद बक्स खां, दुजाना को अब्दुस समद खां को सौंप दिया और उनके सामने दो शर्त थौंप दी गई। इनमें प्रथम तो बाह्य आक्रमण से ये नवाब अपनी सुरक्षा स्वयं करेंगे तथा दूसरी शर्त आवश्यकता पड़ने पर अंग्रेजों को 200-200 घुड़सवार सैनिक उपलब्ध करवाने होंगे। इस प्रकार अंग्रेजों के दिल्ली पर अधिकार करने व अलग प्रकार की शासन व्यवस्था से हरियाणा में पहले से स्थापित छोटे शासक भयभीत हो गए थे। जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, जीन्द व अन्य सिख शासकों ने अंग्रेजों के सामने नतमस्तक होकर न केवल उनकी प्रभुसत्ता स्वीकार की, बल्कि महाराजा रणजीत से खतरे को देखते हुए अपनी सुरक्षा की गुहार तक लगा डाली। इस प्रकार अंग्रेजों को दिल्ली में अपना शासन सुदृढ़तापूर्वक कायम करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। मेवात क्षेत्र के उत्पाती व लुटेरों पर नियन्त्रण करने के लिए विलियम फ्रेंजर को एक नया सैन्य दल गठित करने के आदेश दिए गए। फ्रेंजर ने फिरोजपुर झिरका में उसी एक किलानुमा अहाता बनाकर अपना नया घुड़सवार दल बना लिया।

अंग्रेजों ने 'बांटो व राज करो' और अतिरिक्त प्रलोभन देकर अपने सहायक बनाने की नई रणनीति निर्धारित की थी। नई छावनी बनाने की नीति के अनुसार सर्वप्रथम 1805 में करनाल को सैन्य ठिकाना बनाया ताकि इससे उत्तर हरियाणा स्थित छोटे-छोटे शासकों पर तो नियन्त्रण रहेगा ही, बल्कि पंजाब की तरफ आगे बढ़ने में भी मदद होगी। इसी प्रकार, दक्षिण हरियाणा व राजपुताना राज्यों पर नियन्त्रण रखने के लिए अंग्रेजों ने 1808 के आसपास भाड़ावास में नई छावनी बना ली

रियासतें जब्त कर शासक बने अंग्रेज

सविलियम फ्रेजर का 1835 में फिरोजपुर झिरका के नवाब ने कत्ल करवा दिया। तब तक अंग्रेज अत्यन्त शक्तिशाली शासक बन चुके थे। वे अव्यवस्था का आरोप लगाकर रियासतें व जागीरें जब्त करने लग गए थे। अंग्रेजों को तब एकमात्र शक्तिशाली भारतीय शासक महाराजा रणजीत से भय बना रहता था। यद्यपि 1809 से महाराजा के साथ उन्होंने सन्धि कर रखी थी। लेकिन 1839 में महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु हो जाने पर अंग्रेजों ने लाहौर पर आक्रमण करने की तैयारी आरम्भ कर दी। तब सर्वप्रथम उन्होंने करनाल से कैन्ट को अम्बाला में शिफ्ट किया था, जो आज तक विराजमान है। वर्ष 1820 से 1840 तक अंग्रेजों ने वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नए जिले भी गठित कर दिए थे। इससे उनको भूमिकर व लगान प्राप्त करने में सुगमता हो गई थी। इसी प्रकार अंग्रेजों को लाहौर व अफगानिस्तान तक अपना साम्राज्य स्थापित करने में हरियाणा क्षेत्र से उनको अत्यन्त सहायता प्राप्त हुई थी। 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम दबाने में भी अंग्रेजों को अम्बाला छावनी सहायक सिद्ध हुई थी। उन्होंने सिरख शासकों की सहायता से अम्बाला में एक बड़ी सेना इकट्ठी करके करनाल व पानीपत के रास्ते दिल्ली की रिज पर पड़ाव लगा लिया था और चार मास तक सेनानियों से युद्ध करके सितम्बर 1857 में दिल्ली पर दोबारा कब्जा कर लिया था।

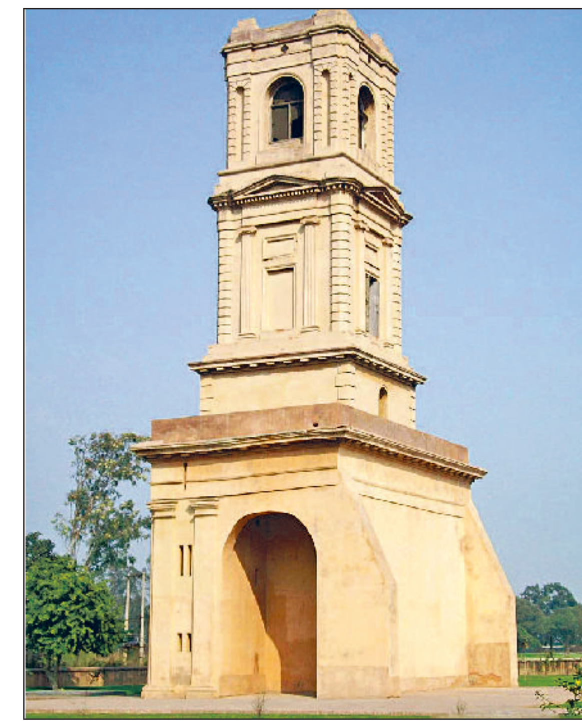

करनाल कैंट का चर्च टॉवर जोकि 1830 के आसपास अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था।

काव्य संग्रह 'अस्मिता' के अनुवाद से पवन गहलोत ने बनाई पहचान

आजकल प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद होने लगा है। इसी कड़ी में रोहतक के उभरते लेखक और अनुवादक पवन गहलोत ने हरियाणा साहित्य अकादमी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मुक्ता की पुस्तक 'अस्मिता' का हरियाणवी में अनुवाद करके इस क्षेत्र में अपने शहर का नाम दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले तक पहुंचाया है। इस काव्य संग्रह की अधिकतर कविताएं नारी सशक्तिकरण का संदेश देती हैं। इसकी कुछ कविताओं में पौराणिक संदर्भों का भी जिक्र है जिनकी अनुवाद आमतौर पर जटिल समझा जाता है। दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में यूनिक फील प्रकाशन के प्रधान संपादक प्रशांत श्रीवास्तव के साथ इस काव्य संग्रह और अनुवाद के बारे में चर्चा के दौरान पवन गहलोत ने बताया कि अनुवाद के द्वारा किसी भी साहित्यिक कृति के पाठकों का दायरा बढ़ता है। आने वाले समय में अनुवाद के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। वे कहते हैं कि अनुवादक का कार्य चुनौती भरा होता है लेकिन एक समर्पित अनुवादक सतत परिश्रम और धैर्य का परिचय देते हुए किसी एक भाषा के साहित्य को दूसरी भाषा के पाठकों के लिए सुलभ करवाता हैं।

कविता

कुमार

मां-बाप का प्यार

माँ-बाप का प्यार सच्चा होवे,
जग में इन जैसा ना कोई होवे।
माँ के आँचल तले सुख ही सुख,
पिता की छाया ज्यों पेड़ की छुक।

माँ के हाथ की रोटी मिट्ठी,
पिता की मेहनत हर दिन सच्ची।
माँ की गोदी जन्नत लागे,
पिता बिना दिल वीरान भागे।

माँ के आँसू मोती जैसे,
पिता के सपने सोने जैसे।
माँ के आँचल की ठंडक न्यारी,
पिता की सीख बिना जीवन भारी।

माँ हर दुख को खुद सह ले,
पिता छाया बनकर रह ले।
माँ की दुआएं साथ निभावे,
पिता की मेहनत रंग दिखावे।

माँ-बाप रोवें तो दिल दुखे,
बिन इनके जीवन अधूरे लगे।
इनकी सेवा जो भी जन करे,
उसका घर भी स्वर्ग बने।

जो माँ-बाप की कदर न जाने,
वो जीवन भर पछतावे।
इनकी दुआ से ही सुख आए,
हर मुश्किल राह आसान हो जाए।

यो जन्म पहला हो या आखरी,
कुमार ने दुआ बस एक करी,
चाहे भगवन जिंदगी दिए दो पल की,
मात-पिता ने खुशियाँ दिए जीवन भर की।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दृष्टिकोण

विज्ञान और आयुर्वेद दोनों में ही धोती पहनने को स्वास्थ्य और शरीर की ऊर्जा संतुलन के लिए माना गया है अत्यंत लाभकारी

परंपरा ही नहीं, स्वास्थ्यवर्धक भी है धोती पहनना

परिधान

डॉ. आशा कुमारी

जब मैं 'जेंटलमैन' शब्द कहती हूँ, तो आपके दिमाग में कौन-सी छवि उभरती है? लगभग सभी लोगों के लिए यह एक स्मार्ट, आधुनिक व्यक्ति होगा, जो थ्री-पीस सूट और टाई पहने हुए होगा। यदि हम 'जेंटल' शब्द का अनुवाद देखें, तो इसका अर्थ 'कोमल' होता है। फिर हमने इस शब्द को केवल एक पश्चिमी पोशाक से क्यों जोड़ दिया, जबकी यह वास्तव में एक व्यक्तित्व गुण को दर्शाता है? तकनीकी रूप से, 'जेंटलमैन' शब्द को हर सभ्यता में अलग-अलग परिधानों में प्रस्तुत किया जा सकता है। तो कभी-कभी मैं सोचती हूँ कि बच्चों की किताबों में एक पगड़ी, कुर्ता और धोती पहने व्यक्ति को 'जेंटलमैन' के रूप में क्यों नहीं दर्शाया जाता?

मैं इस लेख के माध्यम से धोती पहनने के वैज्ञानिक लाभों पर प्रकाश डालना चाहती हूं। हालांकि भारत के कुछ हिस्सों में इसे आज भी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में पहना जाता है, लेकिन हरियाणा में यह सिर्फ़ पुरानी पीढ़ी की एक बीती कहानी बनकर रह गई है। गाने और फ़िल्में भी इस परंपरा को दोबारा जीवंत नहीं कर पा रहे हैं। भारत में धोती सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक रूप से संतुलित पोशाक भी है, जो शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करती है। यह हजारों वर्षों से भारतीय पुरुषों द्वारा पहनी जाती रही है, चाहे वह संत-महात्मा हों, विद्वान हों या फिर किसान।

विज्ञान और आयुर्वेद दोनों ही धोती पहनने को स्वास्थ्य और शरीर की ऊर्जा संतुलन के लिए लाभकारी मानते हैं। आधुनिक पैंट या जींस टाइट फिटिंग के कारण शरीर के निचले हिस्से में रक्त संचार को बाधित कर सकती हैं। लेकिन धोती ढीली होती है और शरीर को पूरा आराम देती है, जिससे रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से चलता रहता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं या ज्यादा चलने-फिरने वाले कार्यों में लगे होते हैं। धोती प्राकृतिक रूप से शरीर को ठंडा रखती है। भारत जैसे गर्म और आर्द्र जलवायु वाले देश में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो पुरुषों के लिए अधिक टाइट कपड़े पहनना उनके प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। टाइट पैंट या अंडरगारमेंट्स अंडकोष के तापमान को बढ़ा सकते हैं, जिससे शुक्राणु उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धोती पहनने से यह समस्या नहीं होती, क्योंकि यह शरीर के निचले हिस्से को खुला और हवादार बनाए रखती है, जिससे प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। यह पसीने को जल्दी सोख लेती है और त्वचा संक्रमण से बचाव करती है। धोती पहनने से रैशेज़ और फंगल इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी कम होती हैं। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जिसमें 2,000 ब्रिटिश पुरुषों को शामिल किया गया, टाइट फिटिंग जींस पहनने से मूत्र संक्रमण (यूटीआई), वैरिकोसील, अंडकोष के मुड़ने, मूत्राशय की कमजोरी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। 2013 की एक समीक्षा के अनुसार, टाइट कपड़े पहनने से मेराल्जिया पैरास्टेटिका नामक रीढ़ की हड्डी की एक नस दबने की समस्या हो सकती है। यह स्थिति जांघ के किनारे सुन्नपन, झनझनाहट और दर्द का कारण बन सकती है। भारत जैसे गर्म और आर्द्र जलवायु वाले देश में सूती वस्त्र सबसे अधिक आरामदायक और त्वचा के लिए अनुकूल माने जाते हैं। सूती कपड़ा नरम और हल्का होता है, जो त्वचा के लिए आरामदायक रहता है। यह किसी भी प्रकार की जलन, खुजली या एलर्जी नहीं पैदा करता, इसलिए संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। सूती कपड़ा गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। यह हवा को पास होने देता है, जिससे त्वचा को ताजगी महसूस होती है और पसीना जल्दी सूख जाता है।कृत्रिम कपड़ों की तुलना में सूती कपड़ा बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण से बचाव करता है। यह हानिकारक केमिकल्स से मुक्त होता है, जिससे त्वचा की सुरक्षा बनी रहती है। सूती कपड़ा प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह बायोडिग्रेडेबल होता है और प्लास्टिक या सिंथेटिक कपड़ों की तरह प्रदूषण नहीं फैलाता।

आजकल फैशन और कम लागत के कारण सिंथेटिक (कृत्रिम) कपड़े और रासायनिक रंगों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, ये कपड़े और रंग हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। सिंथेटिक कपड़े मुख्य रूप से नायलॉन, पॉलिएस्टर, रेयान और ऐक्रेलिक जैसे कृत्रिम रसायनों से बनाए जाते हैं, जो त्वचा और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, कपड़ों में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक रंग (डाई) भी कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं जैसे एलर्जी और खुजली, एक्जिमा और संपर्क डर्मेटाइटिस, फंगल संक्रमण, अस्थमा, हार्मोन असंतुलन और कैंसर आदि। धोती शरीर को मुक्त रखती है और नसों तथा मांसपेशियों को प्राकृतिक रूप से आराम देती है।

धोती के कुछ और फायदे भी हैं, जैसे इसे सीलने की कोई ज़रूरत नहीं होती क्योंकि आप इसे खुद लपेटते हैं। यह पूरी तरह से व्यक्तिगत (सुपरपर्सनलाइज़्ड) होती है। भरपेट भोजन के बाद कमर कसने की चिंता करने की भी ज़रूरत नहीं पड़ती। आज के दौर में लोग धोती को पुरानी सोच से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसके वैज्ञानिक लाभों को समझने के बाद इसे फिर से अपनाने की जरूरत है। आधुनिकता की दौड़ में हमें अपनी पुरानी परंपराओं को पूरी तरह से छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उनके वैज्ञानिक पहलुओं को समझकर उन्हें फिर से अपनाने का प्रयास करना चाहिए। धोती पहनना सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि विज्ञान-सम्मत, स्वास्थ्यवर्धक और सुविधाजनक विकल्प भी है।

सिनेमा को दर्शकों और सरकार का चाहिए सहयोग : संगीता

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी सिनेमा में संगीता देवी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। अपनी ग़ज़ब की अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा में छा जाने वाली यह अभिनेत्री अब तक की 54 फिल्मों और वेबसीरीज़ के साथ-साथ 7 बॉलीवुड और एक पंजाबी फिल्म कर चुकी हैं। बॉलीवुड फिल्म 'हरियाणा' और पंजाबी फिल्म कुड़ी हरियाणे वाली, स्टेज ऐप पर 'चंद्रो का चूल्हा' में उनके 3 एपीसोड हैं। संगीता देवी ने हरियाणवी परिधान में स्टेज ऐप पर हरियाणवी संस्कृति और पहनावा दोनों को प्रमोट किया है। इनकी आने वाली फिल्मों में अग्निवीर जैसे कई नाम हैं। इन सबसे अलग उनकी पेंटिंग की दुनिया है। क्राफ्ट और पर्यावरण के लिए समर्पित इन्होंने 3000 से ज्यादा पेड़ लगाए हैं। इसके अलावा कला जीवन समिति के तहत आर्ट वर्कशॉप, गरीब बच्चों की पढ़ाई में हर संभव सहायता करना, हरियाणवी खानपान और पहनावे को बढ़ावा देना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

संगीता देवी का जन्म हरियाणा के भिवानी जिले के गांव बामला में हुआ। इनके पिता गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में अध्यापक थे। दादी का हरियाणवी क्राफ्ट बहुत अच्छा था। उनके प्रभाव से ही संगीता ने भजन, कीर्तन, शादी-ब्याह के गीत, जकड़ी, त्यौहार के गीत सब उनके साथ रहकर सीखे। 10वीं के बाद शादी हो गई और पढ़ाई पर भी रोक लग गई थी। शादी के बाद उनके जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आए। आर्थिक विसंगति से जूझते हुए शादी के बाद नेशनल ओपन से 12वीं पास की। आदर्श महिला महाविद्यालय से बीए-बीएड की। इन्होंने एंडी हरियाणा टीवी चैनल से जुड़कर अनेक गीत करने के अवसर मिले। वह धीरे-धीरे फिल्म लाइन से भी जुड़ गई। इनकी अभिनय की शुरुआत डायरेक्टर संदीप बसवाना की बॉलीवुड फिल्म 'हरियाणा' से हुई। हरियाणवी सिनेमा में आए उतार-चढ़ाव के संबंध में पूछने पर संगीता देवी का मानना है कि हरियाणा में फिल्म 'चंद्रावल' की धूम आज भी है। उसके बाद दर्जनों फिल्में आई। इनमें कुछ उम्दा भी रहीं लेकिन कोई भी फिल्म जनता का ध्यान नहीं खींच पाई। एक लंबे अर्से के बाद हरियाणवी संस्कृति एक बार फिर से जी उठी, जब यशपाल शर्मा ने ऐतिहासिक फिल्म 'दादा लखमी' बनाई। स्टेज एप पर अपने काम करने के अनुभव के बारे में संगीता देवी बताती हैं कि उन्होंने स्टेज ऐप के साथ काफी प्रोजेक्ट किए हैं जैसे चंद्रो का चूल्हा, ओपरी पराई, जिद, गौरव की स्वीटी, रंडुआ रामफल आदि। वे बताती हैं कि स्टेज एप के साथ काम करने का उनका बहुत अच्छा अनुभव रहा है। सरकार फिल्म बनाने के लिए जो पॉलिसी लेकर आई है उसके संदर्भ में संगीता का मानना है कि इसका लाभ अभी तक किसी को नहीं मिला है। जब मिलना शुरू होगा तो लोग और अच्छा काम कर पाएंगे। प्रोड्यूसर भी पैसा लगाने से घबराएंगे नहीं। इसके ज़रिए हरियाणवी फिल्मों का एक सुखद भविष्य देखा जा सकता है। उन्हें यक़ीन है कि यदि सरकार सहायता करती है तो जरूर बदलाव ज़रूर आएंगे। आने वाले समय में संगीता देवी हरियाणवी सिनेमा को एक बदलाव के रूप में देख रही है। उनका मानना है कि अब लोग जागरूक हो रहे हैं बिना किसी चमक धमक के रियल काम हो रहा है। संस्कृति के साथ संस्कारों की बात हो रही है। आने वाला समय वह काफ़ी अच्छा देख पा रही हैं। हरियाणवी में फिल्में तो बन रही हैं लेकिन थियेटर में लोगों के न आने के क्या कारण हैं, इस पर संगीता देवी ने बताया कि इसे जनता में जागरूकता की कमी कहें या लोगों का सुविधा भोगी, कुछ भी कहना मुश्किल है। आजकल इतने ओटीटी प्लेटफार्म मिल गए हैं उनसे घर बैठे फोन में ही सब कुछ दिख रहा है। लोगों को घरों से बाहर निकालने के लिए अच्छे कॉन्सेप्ट चाहिए। अच्छे प्रचार की भी आवश्यकता है। अच्छी फिल्मों के साथ-साथ अच्छा प्रचार भी चाहिए।

थियेटर के प्रति दर्शकों का रुझान कम

अभिनेत्री संगीता देवी का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से थियेटर के प्रति दर्शकों का रुझान कम हो रहा है। जब बहुत सारे ओटीटी प्लेटफार्म होते हैं तो लोग फिर सुविधाएं देखने लगते हैं। ओटीटी प्लेटफार्म पर फिल्म हो या वेबसीरीज़, घर बैठे देखने को मिल जाती हैं। दर्शकों का रुझान कुछ समय के लिए कम हो सकता है पर ख़त्म जैसी कोई बात नहीं है। आज भी लोग काफी संख्या में फिल्में सिनेमा घर में देखते हैं। लोगों के स्पोर्ट और सरकार की सहायता से कुछ और अच्छे प्रयास करने जरूरी हैं जिनसे लोग घरों से निकलने को मजबूर हों।

खबर संक्षेप

राजौंद के खिलाड़ियों को नहीं मिला खेल मैदान

राजौंद। सरकार एक ओर जहां प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए व खिलाड़ियों को हर सुविधा मुहैया करवाने के दावे करती है वहीं राजौंद क्षेत्र के अधिकांश गांवों में खेल का आधार एक अदद मैदान तक नहीं है। जिस कारण खिलाड़ियों को खाली खेतों व गलियों में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अधिकतर गांवों में खेल मैदान के अभाव के चलते खिलाड़ियों को कई तरह की परेशानियां उठानी पड़ रही हैं।

पुंडरी में हुई मारपीट में एक घायल, मामला दर्ज

कैथल। कस्बा पुंडरी में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। पूंडरी के अजय वर्मा ने पुंडरी पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 7 फरवरी को जब वह कस्बे से गुजर रहा था तो सोनू, साहिल व अन्य चार व्यक्तियों के साथ मिलकर उसे पर लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच अधिकारी एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजौंद में हुई मारपीट में दो घायल, केस दर्ज

कैथल । कस्बा राजोंद में हुई मारपीट में दो युवक घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव बिरथेबाहरी के सुंदर सिंह ने राजोंद पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 24 जनवरी को गांव के ही मनजीत सिंह, रामचंद्र, गुरप्रीत सिंह और सिमरनजीत सिंह ने लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसके बेटे सुखविंदर सिंह तथा आशु को घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी थी। जांच अधिकारी पीएसआई कमलदीप ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरों ने ताला तोड़कर लाखों का सामान चुराया

कैथल। कस्बा पूंडरी से चोर एक मकान का ताला तोड़कर उसमें रखे 30000 की नगदी तथा लाखों रुपए के जेवरात चुरा कर ले गए। जोशियान मोहल्ला पुंडरी के डॉक्टर नितिन कुमार नेआरोप लगाया है कि चोर 7 फरवरी की रात को ताला तोड़कर उसके मकान में घुसे तथा वहां पर रखे 30000 की नगदी तथा सोने व चांदी के जेवरात चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत 170000 बताई गई है।

ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विवि में कार्यक्रम का आयोजन

राजौंद। कैथल रोड पर स्थित प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आश्रम में रविवार को अध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। असंध से आई ब्रह्मा कुमारी बहन ऊषा ने बताया कि आज समाज में धन दौलत रूपी गाड़ी कि कमी नहीं है लेकिन फिर भी व्यक्ति सच्चा सुख और शांति अनुभव नही कर पाता इसका विशेष कारण आज व्यक्ति अपने आप को बहुत व्यस्त रखता है, और अपनी एकाग्रता पर ध्यान नही देता। बहन नीलम ने बताया कि इंसान में इंसानियत नही रही वह आंतरिक रूप से खोखला हो रहा जिस कारण आज समाज में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कार्यक्रम में बहन सरिता ने भी भाई बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हर इंसान को भगवान के लिए थोड़ा बहुत समय अवश्य निकालना चाहिए ,ताकि हर इंसान अपने जीवन को सुधार सके।

संगठन को हर गांव स्तर पर मजबूत किया जाएगा : सुरेश

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश पबनावा का पूंडरी में नागरिक अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुरेश रोड पबनावा का पूंडरी निजी पैलेस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया।

समारोह में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और सुरेश रोड का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सुरेश रोड ने पूंडरी हलके के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 26 हजार वोट दिए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। संगठन को मजबूत करने के लिए गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस से जोडने का कार्य करेंगे। उनका प्रयास रहेगा

पूंडरी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुरेश रोड़।

कि वे सभी पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को एक साथ लेकर चलेंगे और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने जिला प्रेस सचिव प्रेम धीमान, रणदीप टाया, राममेहर करोड़ा, प्रेम गुप्ता, प्रो. ईश्वर कॉल, नसीब सिंह पबनावा, करण सिंह कौल, भूटो पबनावा सहित सभी वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद किया।

इस मौके पर कार्यकारिणी सदस्य कानूराम वाल्मीकि, राम मेहर करोड़ा, डॉ. महेंद्र सिंह, विक्रम हरिगढ़, तरसेम गर्ग, नरेंद्र शर्मा, एडवोकेट राकेश शर्मा पबनावा, जसविंदर जस्सी, मुन्ना रेडी, बाबूराम, बूटा सिंह, शमशेर टयौठा, प्रेम गुप्ता, ईश्वर जांगड़ा, भीम सिंह पबनावा, जसी पबनावा, कलीराम मोहना, रोशन फतेहपुर, रामकुमार मोहना, सतपाल मुन्ना रेड्डी, धर्मवीर सागवाल, भूटो पबनावा, करण सिंह कोल सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। समारोह का मंच संचालन प्रेम धीमान ने किया।

वार्षिक सम्मान समारोह में पूंडरी शाखा ने की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल घरौंडा द्वारा अनाज मंडी कम्यूनिटी सैंटर में आयोजित प्रथम वार्षिक सम्मान समारोह में पूंडरी शाखा के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस विशेष आयोजन में सेवा मंडल के विभिन्न पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में शाखा अध्यक्ष गगनदीप गर्ग, कृष्ण टीक, रणजीत पासवान, प्रवीण गर्ग बटेडी, सुमित गर्ग बरसाना, मनीष गर्ग कैथल, बिट्टू शाह पूंडरी, राकेश गर्ग म्योली, कृष्ण पूर्व एम.सी. पूंडरी,

पूंडरी। वार्षिक सम्मान समारोह के दौरान पूंडरी शाखा के सदस्य।

ओमपाल गर्ग, विनोद सैनी, रामबीर शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के ओ.एस.डी. कविंद्र राणा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और संस्था के पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कलायत से अवैध देसी कट्टे सहित आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम द्वारा कलायत क्षेत्र से एक आरोपी को 312 बोर के एक अवैध देसी कट्टे सहित काबू कर लिया गया। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जयभगवान की टीम शाम के समय गश्त दौरान गांव बाता क्षेत्र में मौजूद थी। जहां पर पुलिस टीम को जानकारी मिली की बाता निवासी गुरनाम ऊर्फ गोलू के पास अवैध असला है। जो कुछ देर बाद बाता से चौशाला वाली सड़क पर आने वाला है। पुलिस ने नाकाबंदी की । जहाँ कुछ समय बाद गांव बाता की तरफ से आ रहे सन्धिग्ध बाता निवासी गुरनाम उपरोक्त को पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया।

परोपकार में बिताया जीवन ही सार्थक : मानसू

- गायत्री महायज्ञ में वेद और देव मंत्रों के साथ आहुतियां अर्पित करवाईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

श्री सनातन धर्म शिव मंदिर में चल रहे श्री गायत्री महायज्ञ एवं माघ महात्म्य कथा में यज्ञ के ब्रह्मा मानसू भारद्वाज ने वेद और देव मंत्रों के साथ आहुतियां अर्पित करवाईं।

इस पावन यज्ञ में मुख्य यजमान संतोष बंसल धर्मपत्नी रीतू बंसल, पुत्र रमन एवं शुभम ने भाग लिया। मानसू भारद्वाज ने जीवन के वास्तविक अर्थ और सेवा भाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन की सच्ची सुंदरता इस बात में निहित है कि यह दूसरों के लिए कितना मूल्यवान है। दूसरों की मदद करना और परोपकार में बिताया गया जीवन ही सार्थक होता

है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक पेड़ जो पक्षियों, राहगीरों और प्रकृति के लिए सहारा बनता है, वह अकेले रहने वाले व्यक्ति से कहीं अधिक सुंदर होता है। अपने प्रवचन में भारद्वाज ने कहा कि हर जीव एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। चाहे वह मनुष्य हो, पशु हो या पक्षी, सभी अपने उद्देश्य की पूर्ति करते हैं और एक-दूसरे को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। उन्होंने चेताया कि यदि एक भी प्रजाति लुप्त हो जाती है तो यह पूरी श्रृंखला को प्रभावित कर सकती है। यदि हिरण लुप्त हो जाता है तो बाघ भी संकट में आ जाएगा और इस तरह धीरे-धीरे पूरा पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने मानव अस्तित्व के सच्चे मूल्यों को समझने पर बल देते हुए कहा कि केवल खाने और काम करने से ही जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं होता। बल्कि हमें दूसरों की रक्षा और सहायता करने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को असाधारण बुद्धि और दिमाग का उपहार मिला है। जिससे वह जरूरत के समय अन्य प्राणियों की सहायता कर सकता है और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखने में योगदान दे सकता है। अनुष्ठान में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कलायत स्टेशन पर यात्री गाड़ियों के चलने की उम्मीद

कलायत। कलायत के रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को सुविधाएं देने के लिए सांसद नवीन जिंदल के प्रयास सफल होते नजर आ रहे हैं। देवभूमि रेल यात्री अधिकार संघर्ष समिति कलायत की मांग पर जिंदल ने कुरुक्षेत्र-कैथल-जींद यात्री गाड़ी के दोबारा से बहाल के लिए रेलवे विभाग से पत्राचार किया। 2025 नए वर्ष की शुरूआत में नवीन जिंदल द्वारा उठाए गए कदमों का असर लाने लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक सुखविंद्र सिंह ने जिंदल को स्थिति से अवगत करवाया था। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सांसद के पत्र संख्या एम.पी/के.के.आर/772 पर अग्रिम कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारी को भेजा गया है।देवभूमि रेल यात्री अधिकार संघर्ष समिति संस्थापक रामकुमार नायक, प्रधान रोहताश धानियां, मुख्य सलाहकार रवि शंकर कौशिक, महासचिव शंकर गर्ग, सतबीर नायक, सुरेंद्र धानियां, दीपक अठवाल और दूसरे सदस्यों ने बताया कि जिंदल को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने कोरोना काल मार्च 2020 से बंद हुई रेलगाड़ी संख्या 54039 व 54042 को दोबारा से चलाने के साथ-साथ गाड़ी संख्या 19411 और 19412 साबरमती एक्सप्रेस का कलायत में ठहराव करने की मांग की है।

अमेरिका से डिपोर्ट हुए युवाओं की कम नहीं हो रही मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अमेरिका से डिपोर्ट हुए युवाओं को यहां पहुंचने के बाद भी मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब जिला पुलिस प्रशासन इन डिपोर्ट हुए युवाओं से बातचीत कर रही है। पुलिस की जांच से डिपोर्ट हुए युवा तथा उनके परिजनों को भय सता रहा है। बता दें कि जैसे ही युवा डिपोर्ट हुए थे तो इनके लिए एसपी राजेश कालिया की ओर से विशेष टीमों का गठन किया गया था।

- युवाओं और उनके परिजनों को सता रहा भय

हालांकि इस मामले में अभी तक किसी भी युवा ने किसी एजेंट के खिलाफ कोई शिकायत नहीं दी है। वहीं, सरकार की ओर से एसपी को डंकी के रास्ते विदेश भेजने वाले एजेंटों की सूची बनाने के आदेश जारी किए थे। इस मामले में भी कैथल जिले में कोई भी अधिकृत एजेंट न होने की स्थिति में एजेंटों की सूची नहीं बनाई गई है। मंत्रालय की जांच का अभी तक नहीं लग रहा सुराग जानकारी अनुसार अब जल्द ही विदेश मंत्रालय भी जल्द ही घर वापस लौटे युवाओं का रिकॉर्ड जांचेगा। इसमें मंत्रालय की ओर से जानकारी जुटाई जाएगी कि कहीं, वापस लौटा कोई युवक अपराधिक गतिविधियों में तो विदेश जाने से पहले शामिल नहीं रहा। हालांकि मंत्रालय की ओर से जांच को लेकर प्रशासन की ओर से कोई अधिकारिक पुष्टि भी नहीं की गई है।

मटौर के श्री तीर्थ पर लगा वार्षिक मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के गांव मटौर स्थित श्री तीर्थ पर वार्षिक मेले उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें देश-प्रदेश के हिस्सों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। वार्षिक पर्व की शुरूआत धार्मिक स्थल के महंत सुमेर दास की अगुवाई में संत-महंतों और श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति डालकर की। हवन के साथ ही अटूट भंडारा चल पड़ा। मेला परिसर में अलग-अलग राज्यों व क्षेत्रों के आकर्षक सामान की महिलाओं एवं बच्चों ने जमकर खरीददारी की। मेले

कलायत के गांव मटौर स्थित श्री तीर्थ पर महंत सुमेर दास की मौजूदगी में धर्म संस्कृति को लेकर कार्यक्रम आयोजित

में भीड़ के मद्देनजर पुलिस सुरक्षा और कार सेवक व्यवस्था बनाने में लगे रहे। महंत सुमेर दास ने बताया कि गांव मटौर के श्री तीर्थ का संबंध महाभारत, वामन पुराण और भागवत पुराण से है। महंत सुमेर दास बताते हैं कि राजा खट्वांग द्वारा की गई आराधना के बाद जब भगवान शिव उनसे प्रसन्न हुए तो उन्हें उनके नाम से पूजे जाने का आशीर्वाद मिला। जिसके बाद खड़ालवा गांव में पाताल लोक से प्रकट शिवलिग का नाम खटवांगेश्वर पड़ा। इसके बाद से शिवलिंग का वजूद नहीं मिटा है।

कुंभ मेले के लिए शुरू बस सेवा आ रही रास

- यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अग्रिम बुकिंग की सेवा शुरू
- प्रतिदिन रोडवेज बस फुल होकर जा रही प्रयागराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रयागराज कुंभ मेले के लिए शुरू की गई बस सेवा जिले के यात्रियों को खूब रास आ रही है। परिवहन विभाग ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अग्रिम बुकिंग की सेवा शुरू की है। यात्री पूछताछ केंद्र पर फ ो न के माध्यम से सीटों की

बुकिंग करवा सकते हैं। पांच फरवरी को जींद से प्रयागराज के लिए शुरू की गई बस में जहां पहले दिन 12 यात्री गए थे। अब हर रोज 52 सीट भर कर यात्री रोडवेज बस में प्रयागराज जा रहे हैं। पांच फरवरी को रोडवेज महाप्रबंधक राहुल जैन व डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के प्रतिनिधि राजन चिलाना ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था। लंबा सफर होने की वजह से बस में दो चालकों की ड्यूटी लगाई गई है। 26 फरवरी तक जींद से प्रयागराज के लिए बस चलेगी। जींद से दोपहर 12 बजे प्रयागराज के लिए बस चलेगी और अगले दिन सुबह पांच बजे बस प्रयागराज पहुंचेगी। फिर दोपहर बाद लगभग साढ़े चार बजे बस प्रयागराज से जींद के लिए रवाना होगी जो सुबह साढ़े नौ बजे तक जींद पहुंचेगी। बस जींद से चलकर दिल्ली, मथुरा, आगरा, इटावा व कानपुर होते हुए प्रयागराज पहुंचती है। जींद से प्रयागराज की दूरी 867 किलोमीटर है और किराया 1124 रुपये लगता है। जींद से प्रयागराज के लिए कोई ट्रेन नहीं है। ऐसे में बस से प्रयागराज जाने वाले यात्रियों में खुशी की लहर है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम झनक का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजकीय महाविद्यालय राजौंद में कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम झनक का समापन समारोह आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ दीपक कुमार प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने शिरकत की। अंतिम दिन रिचुअल गतिविधि प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ होने वाली अन्य गतिविधियों से विद्यार्थियों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास होता है इसीलिए विद्यार्थियों को इनमें बढ़.चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस दौरान निशा ने संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान ग्रीन रूम में प्रतिभागियों को गाइड किया।

राजौंद। कार्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि व अन्य।

दो दिन चले कार्यक्रम में प्रतिभागियों के द्वारा प्रस्तुत की गई गतिविधियों का अंतिम परिणाम इस प्रकार है सोलो डांस में मंजू प्रथम मुस्कान द्वितीय नेहा तृतीय, ग्रुप डांस में टीम सी प्रथम टीम बी द्वितीय और टीम ए तृतीय, गायन में ज्योति प्रथम माफी द्वितीय आरती तृतीय फॉक कॉस्ट्यूम में नीतू प्रथम अंजलि सेकंड मिमिक्री में अंजलि प्रथम ग्रुप स्किट में अंजलि और टीम रिचुअल में मंजू एंड टीम रही। इस दौरान कल्चर कमेटी के इंचार्ज विक्रम, मंच संचालन रविंद्र कुमार, दीपक, निर्णायक मंडल में राममेहर सुदेश, आदि मौजूद रहे।

राजौंद से बीरबांगडा को जाने वाली सड़क पर बने गहरे गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद से बीरबांगडा को जाने वाली सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालक चोटिल हो रहे है। ग्रामीण राजेश, सुनील, शमशेर, कुलदीप, राजू, बलजीत, सुनील, सचिन ने बताया कि यह सड़क पिछले लंबे समय से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लेकिन यहां विभाग को कई बार अवगत भी

राजौंद से बीरबांगडा को जाने वाली सड़क का क्षतिग्रस्त दृश्य।

करवा चुके हैं। राजौंद से निकलते सड़क पर गड्ढे बन गए है लेकिन सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जिससे राहगीरों के साथ-साथ ग्रामीण भी बहुत परेशान हो चुके हैं। इस दौरान सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को कई तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है।

दो दिवसीय एक्सपीरियंशियल लर्निंग ट्रेनिंग का समापन

ट्रेनिंग में अध्यापकों ने सीखे अध्यापन के नए तरीके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दालमवाला पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में सीबीएसई द्वारा एक्सपीरियंशियल लर्निंग ट्रेनिंग का रविवार को समापन हुआ। दो दिन चली ट्रेनिंग में जींद के आसपास के कई जिलों करनाल, रोहतक, भिवानी, सफीदों आदि के अध्यापकों ने अपनी भागीदारी की। गौरतलब है कि सीबीएसई द्वारा इस

प्रकार के ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। दूसरे दिन भी आर्यन इंटरनेशनल स्कूल कैथल की प्राचार्या सपना सिंह, डीएवी पब्लिक स्कूल यमुनानगर से रिसोर्स पर्सन कपिल शर्मा ने अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से प्रभावशाली अध्यापन के बारे में बताया।

अलग-अलग गतिविधियों मुख्य रूप से मॉडल्स बनाने, भूतकाल, भविष्यत काल और वर्तमान काल के अनुसार गायन गतिविधि, मल्टीटास्किंग गतिविधि आदि का आयोजन किया गया। जिसमें सभी मौजूदा अध्यापकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। अतं में सभी अध्यापकों से ट्रेनिंग से संबंधित फीडबैक भी लिया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा रिसोर्स पर्सन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। स्कूल निदेशक मोहित दालमवाला एवं स्कूल प्राचार्या संगीता शर्मा ने कहा कि अपने अध्यापन को इसी तरह से और प्रभावशाली बनाएं ताकि बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

खबर संक्षेप

ग्रामीण सफाई कर्मचारी संगठन की बैठक हुई

जींद। ग्रामीण सफाई कर्मचारी संगठन की उचाना ब्लॉक की मीटिंग उपमंडल कार्यालय प्रांगण में हुई। अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान साहब सिंह ने की। मुख्यअतिथि के तौर पर प्रदेशाध्यक्ष मुखपाल सिंह पहुंचे। वक्ताओं ने अपने-अपने विचार मीटिंग में रखे। इस मौके पर लहणा सिंह असंध, उप प्रधान कुलदीप, राजेश भौंगरा, सेवा मौजूद रहे।

कूड़ा नगर परिषद की गाड़ी को ही दे

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने जींद के भिवानी रोड रेलवे फाटक से भिवानी रोड बाईपास एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 413वां अभियान संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते हुए लोगों को कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान किया। संस्था के सदस्यों ने लोगों को समझाया कि हम सभी ने स्वच्छता के प्रति जागरूक होना चाहिए। हर दुकानदार ने अपना कूड़ा डस्टबीन में डाल कर रखना चाहिए और वह डस्टबीन नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए। जब तक हर आदमी डस्टबिन का प्रयोग नहीं करेगा स्वच्छता किसी भी रूप में नहीं रह सकती।

22 चीका से लाखों की स्ट्रीट लाइट चुराई कैथलः कस्बा चीका से चोर लाखों रुपए की स्ट्रीट लाइट चुरा कर ले गए। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है।

बिना खाद व दवाई के एक एकड़ में गेहूं व धान के साथ सब्जियों की पैदावार

डिडवाड़ा गांव के विजेंद्र शर्मा प्राकृतिक खेती के प्रति लोगों को कर रहे प्रेरित

- फसलें व सब्जियां हाथों हाथ बाजार से अधिक भावों में बिक रही
- प्राकृतिक खेती के उत्पादों का प्रयोग करके स्वस्थ समाज का निर्माण ही उद्देश्य : विजेंद्र शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

सफीदों उपमंडल के गांव डिडवाड़ा में 36 वर्षीय युवा किसान विजेंद्र शर्मा किसानों व अन्य लोगों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रेरित कर रहा है। वह बिना खाद व दवाई के एक एकड़ में गेहूं व धान के साथ-साथ सब्जियों की पैदावार कर रहा है। उसी का परिणाम है कि उसकी फसलें व सब्जियां हाथोंहाथ बाजार से अधिक भावों में बिक रहीं हैं। उसका मकसद है कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों का प्रयोग करके स्वस्थ समाज का निर्माण हो। विजेंद्र शर्मा ने बताया कि वह पूरी पैदावार बिना जहर-बिना बाजार के जीरो खर्चे पर यह खेती कर रहा है। इसकी प्रेरणा उसे आयुर्वेदाचार्य राजीव दीक्षित से मिली है। वे पिछले तीन सालों से किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं। उसने बताया कि वह जंगल मॉडल से खेती कर रहा है। फिलहाल उसने प्राकृतिक खेती की शुरूआत एक एकड़ से की है। आगे उसका लक्ष्य पांच एकड़ में प्राकृतिक तरीके से फसल उगाने का है।

जींद। प्राकृतिक फसल में खड़ा किसान विजेंद्र शर्मा व खेत में काम करते हुए किसान विजेंद्र शर्मा। फोटो :हरिभूमि

राजीव दीक्षित को प्रेरणास्त्रोत मानने वाले विजेंद्र शर्मा ने बताया कि वह प्राकृतिक खेती करने के लिए एक एकड़ जमीन में 5 किलो गोबर, 5 किलो मूत्र, एक किलोग्राम गुड़, एक किलो बेसन व एक किलो पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी डालकर घोल तैयार करता है। फसल लगाने के बाद उसे घोल को 3 से 4 बार पानी के खाल में डालकर फसल तक पहुंचाता है। इस घोल के माध्यम से खेत में अपने आप जीवामृत पैदा हो जाते हैं। ये जीवामृत खेत की जमीन को पूरी तरह से हल्का फुल्का बना देते हैं और अपने आप में खेत के अंदर खाद का काम करते हैं। जीवामृत के माध्यम से हल्की फुल्की हुई जमीन में पानी की कमी नहीं रहती और वाटर रिचार्जिंग का भी काम हो जाता है। जमीन में हमेशा नमी रहती है तथा जमीन सख्त नहीं होती। इसके अलावा ये जीवामृत खेत की मिट्टी के अंदर पड़े कंकरों व रेत तक को खाकर जमीन को साफ-सुथरा कर देते हैं। इस प्रयोग के माध्यम से खेत में बीमारियां नहीं होती और ना ही फसल में खरपतवार पैदा होता है। जिसके कारण फसल में किसी प्रकार के उर्वरक व कीटनाशक की जरूरत नहीं पड़ती। उसने बताया कि इस विधि से तैयार फसल में वजन भी ज्यादा होता है। फसल लगाने में उसका केवल जुताई व कटाई का ही खर्च आता है। इसके अलावा उसका कोई खर्च नहीं रहता। कुछ साल फसल होने के बाद उसके पास खुद का अपना प्राकृतिक बीज तैयार हो जाता है और आगे की फसल को लगाने में वह स्वयं का बीज प्रयोग करता है। आमतौर पर किसान की एक एकड़ में करीब एक लाख रूपए की फसल की पैदावार होती है लेकिन इस विधि के माध्यम से उसकी फसल डेढ़ लाख रुपये तक हो जाती है। सहीं मायनों में यह विधि थोड़े से खर्च्य में अधिक मुनाफे वाली है। उसके द्वारा उम्पादित अनाज व सब्जियां बिक्री के लिए बाजार में ले जाने की आवश्यकता नहीं रहती बल्कि लोग उसके खेत से ही ले जाते हैं। उसने बताया कि वे धान व गेंहू के अलावा प्याज, मूली, लहसुन, हल्दी, गाजर व चुकंदर सहित अनेक सब्जियों का उम्पादन बिना उवर्रकों व कीटानाशकों के प्रयोग के कर रहा है। उसकी फसल को लेने और उसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे हैं। इसके अलावा उसके प्राकृतिक बीज की भी काफी डिमांड है। किसानों खाद व दवाई वाली खेती की बजाए प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। प्राकृतिक खेती के माध्यम से अपने घर के साथ-साथ पूरे समाज को स्वस्थ बनाया जा सकता है।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

किसान सभा की बैठक में कई अहम निर्णय लिए

- 15 और 27 फरवरी को गांव में सदस्यता करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा एजींद नरवाना और उचाना के तहसील कमेटियों के साथियों की मिटिंग भगत सिंह अध्यन केंद्र नरवाना में मास्टर चांद बहादुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिस में मास्टर बलबीर सिंहएराज्य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा के इलावा बलिंद्र सिंह जिला सचिव ए शीशपाल गुलाडीएज्ञानीराम ए मास्टर बलजीत सिंह माण्डीए सतबीर सिंह ए महेन्द्र सिंह धर्मगढ़ए सतबीर फौजीएसाधुराम एदिनेश ए जसवंतए रत्न सिंहए फतेह सिंहए रतना एमियां सिंह ए निहाल सिंह ए कुलवंत सिंह आदि ने भाग लिया। मास्टर बलबीर सिंह ने समीक्षा करते हुए बताया कि जींद जिले के साथियों का एस के एम के प्रत्येक कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में कड़ी मेहनत की है विषेश कर नरवाना और उचाना के साथियों का इस में बड़ा योगदान रहा है। किसान सभा के नारे हर गांव में किसान सभाए किसान सभा में हर किसान को जमी पर उतारने के लिए 15 फरवरी और 27 फरवरी को प्रत्येक साथी अपने गांव में सदस्यता करेंगें। आगामी कार्यक्रम की घोषणा 16 को एस के एम हरियाणा की मीटिंग में फैसला किया जाएगा क्यों कि ऑल इंडिया एस के एम के फैसले 5 मार्च से 23 मार्च तक तहसील, जिला या राज्य स्तर पर पड़ाव डालने का कार्यक्रम तय किया गया है ताकि सरकार की तानाशाही का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके क्यों कि जब ष सड़कें सुनसान हो जाती हैं तो संसद बेलगाम हो जाती है, यह तभी हो सकता है जब संगठन ताकत का ग्रामीण कमेटियों तक विस्तार करेंगे।

अध्यापकों के लंबित एसीपी मामलों को लेकर जताया रोष

जींद। शिव कालोनी स्थित अक्षर भवन में रविवार को हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की बैठक जिला प्रधान हैप्पी मोर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव महावीर पोपड़ा ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रधान साधुराम ने जिला व मुख्यालय स्तर पर अध्यापकों के लंबित एसीपी मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा उदासीनता की आलोचना की व उपस्थित सभी खंड प्रधान व सचिवों ने अध्यापक संघ के संगठन को मजबूत करने के लिए बढ़चढ़ कर फील्ड में काम करने का संकल्प लिया। राज्य कोषाध्यक्ष संजीव सिंगला ने बताया कि सकसं के आह्वान पर 15 फरवरी को कुरुक्षेत्र महापड़ाव में अध्यापक भाग लेंगे। हरियाणा के लिए अलग वेतन आयोग के गठन व अन्य मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ ने कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री कैंप ऑफिस पर 48 घण्टे का महापड़ाव का आह्वान किया।

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में देंगे उच्च गुणवत्ता कोचिंग

- इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता देगा : सुभाष श्योराण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा ने अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आकाश इंस्टिट्यूट्स के साथ सहयोग किया है। जिससे स्कूल परिसर में ही उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग प्रदान की जाएगी। इस पहल की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए विद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 350 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस छात्रवृत्ति परीक्षा का उद्देश्य मेधावी छात्रों की पहचान करना और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे नीट और जेईई में सफलता प्राप्त करने के लिए सहायता प्रदान करना था। इसके साथ ही एक अभिभावक संवाद बैठक भी आयोजित की गई।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडस निदेशक सुभाष श्योराण।

जिसमें इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक सुभाष श्योराण, इंडस पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष सुरेंद्र माड़ोत्रा और आकाश इंस्टिट्यूट्स के प्रमुख राजेश देशवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में आकाश इंस्टिट्यूट्स की विशेषज्ञता लाने के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने माना कि यह सहयोग उन छात्रों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा जो चिकित्सा और इंजीनियरिंग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

सभा को संबोधित करते हुए सुभाष श्योराण ने यह विश्वास दिलाया कि इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा ताकि प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षा से वंचित न होना पड़े। छात्रवृत्ति परीक्षा और अभिभावक संवाद को अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। जो इंडस पब्लिक स्कूल में शैक्षिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आकाश इंस्टिट्यूट्स के सहयोग से अब छात्रों को संरचित और उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग उनके घर के पास ही मिलेगी। जिससे क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल के साथ इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित कर रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को समान अवसर मिलें और वे अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

सुप्रीम स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

जींद। सुप्रीम स्कूल में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें जींद शहर के विभिन्न स्कूलों के कुल 507 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। सुप्रीम स्कूल ने हमेशा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को प्राथमिकता दी है और उनकी शैक्षणिक प्रगति में योगदान दिया है। इस छात्रवृत्ति परीक्षा के माध्यम से मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्रों को शुभकामनाएं दी और उन्हें मेहनत, समर्पण और अनुशासन के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले छात्र नाम रोशन करेंगे।

जनता ने साबित किया दिल्ली के दिल में मोदी है : मनीष कठवाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

शनिवार को घोषित हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम से जनता ने यह साबित कर दिया कि दिल्ली के दिल में मोदी हैं और वे मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को विश्व पटल पर विकसित महानगर देखना चाहते हैं। ये बात भाजपा जिलाध्यक्ष मनीष कठवाड़ ने दिल्ली में 27 वर्ष बाद भाजपा की सरकार बनने पर यहां पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत का पूरा श्रेय भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पी.एम. मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को जाता है, क्योंकि इन बड़े नेताओं ने दिल्ली चुनाव में अपना खूब पसीना बहाया है और दिल्ली की जनता ने उनकी बात पर विश्वास करते हुए ही दिल्ली की सत्ता भाजपा को सौंपी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने जनादेश से वायदाखिलाफी करने वालों को ऐसा करारा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वायदे करने वालों के लिए नजीर बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को दिल्ली ने स्वीकार किया।

बातचीत करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष मनीष कठवाड़।

सरकार नौकरी लगवाने का झांसा देकर साढ़े सात लाख रुपये हड़पे

जींद। सरकारी नौकरी दिलवाने को झांसा देकर साढ़े सात लाख रुपये हडपने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने स्वास्थ्यकर्मी समेत दो लोगो के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओ के तहत मामला किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव बिलासपुर युमनानगर निवासी हर्ष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह निजी अस्पताल मे पीआरओ के पद का कार्यरत है। जिसके चलते आसपास के अस्पतालों में आरएमओ से मिलता रहता है। उसी दौरान उसकी मुलाकात गांव मुगलवाली सरकारी अस्पताल में कार्यरत कलौदा निवासी एमपीएचडब्ल्यू प्रवीन कैत से हुई। जिसने अर्ध सरकारी नौकरी के बारे में बताया और गांव बद्दोवाला निवासी सुखविंद्र से मिलवाया। जिस पर उसने अपने भाई हर्षित को नौकरी लगवाने के लिए कहा। जिसकी एवज में आरोपितों ने साढ़े सात लाख रुपये की डिमांड की। आरोपितों ने बताया कि उसके भाई सर्वखेल और योगा विकास परिषद में नौकरी की बात तय हो गई। सिक्योरटी के नाम पर सुखविंद्र ने अपनी पत्नी के नाम से चैक दे दिया। काम न होने पर चैक लगा कर राशि वापस लेने की बात कही थी। जिसके बाद उसने प्रवीन के खाते में डेढ़ लाख रुपये डलवा दिए। फार्म भरवाने के बाद रोल नंबर भी आ गया। परीक्षा के लिए नरवाना हिसार रोड के कालेज में उसके भाई को बुलाया गया। ट्रनिंग भी दी गई। उसके भाई के सभी दस्तावेज भी आरोपितों ने ले लिए। जिसके बाद साढ़े चार लाख रुपये और आरोपितों को दे दिए गए। जिसके बाद हर्षित के पास ऑफर लैटर आया। जिसमें साढ़े दस हजार रुपये सैलरी लिखी गई थी। बावजूद इसके उसके भाई हर्षित को नौकरी नही मिली। जब उन्होंने रुपये तथा हर्षित के दस्तावेज वापस मांगे तो आरोपितों ने उन्हें लौटाने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने प्रवीन कैत तथा सुखविंद्र पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना सीवन, गुहला और राजौंद क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया, खंगाले कई घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नशा तस्करो की धरपकड़ व अन्य अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एसपी राजेश कालिया के निदेर्सानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। रविवार की सुबह एसएचओ थाना सीवन एसआई कुलदीप देशवाल, एसएचओ थाना गुहला एसआई रामपाल, एडिशनल एसएचओ थाना राजौंद एसआई संदीप, चौकी किठाना प्रभारी एसआई शमशेर की पुलिस टीमों द्वारा स्नाईपर डॉग के साथ थाना सीवन, गुहला व थाना राजौंद व चौकी किठाना क्षेत्र में सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत नशा तस्करो का पुराना रिकॉर्ड व गुप्त सुचना के आधार पर संदिग्ध घरो की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छीपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या अपराधीक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो। एसपी राजेश कालिया ने बताया कि कैथल पुलिस लगातार नशा तस्करो का

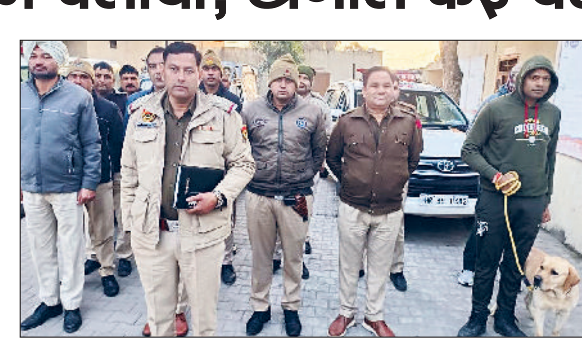

नंदीशाला उचाना में पाइप लाइन बिछाने के लिए चल रहा काम।

उचाना शहर की नंदीशाला में पहुंचेगा नहर का पानी

जींद। उचाना शहर की नंदीशाला में नहर का पानी पहुंचेगा। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा नंदीशाला में पीने का पानी पहुंचाने के लिए पाइन लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। काफी समय से पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाने की मांग नंदीशाला कमेटी एवं गौभक्तों द्वारा की जा रही थी। बीते दिनों उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा खेड़ी मंसानिया रोड पर जलघर तक नहर का पानी पहुंचाने के लिए बिछाई जा रही रजबाहा से लेकर पाइप लाइन का शिलान्यास किया था। 19 करोड़ रुपये के आसपास की लागत से रजबाहा से नहर का पानी जलघर पहुंचेगा तो पीने के पानी की पाइप लाइन भी नपा एरिया में बिछाई जा रही है। उचाना कलां के अंडरपास के पास बुस्टिंग स्टेशन भी बनाया जाएगा ताकि हर घर में पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में पहुंचे। शहर की नंदीशाला में भी पाइप लाइन बिछाने का काम किया गया जिसकी मांग काफी पुरानी थी। श्याम सुंदर, देवीलाल रामनिवास ने बताया कि पहले पानी का कनेक्शन नंदीशाला में था लेकिन पानी नहीं पहुंच था। अब करीब छह इंज की स्पेशल पाइप लाइन नंदीशाला के लिए बिछाई गई है। इस लाइन से पर्याप्त मात्रा में पानी नंदीशाला में पहुंच सकेगा। विधायक से जो मांग की थी वो पूरी हो गई है। काफी दिनों से पाइप लाइन बिछाने को लेकर काम चल रहा है। पाइप लाइन बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है।

कार्यक्रम सर छोटूराम स्कूल गतौली में हुआ वार्षिकोत्सव का आयोजन

हरियाणवी गीतों पर मचाई विद्यार्थियों ने धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

सर छोटूराम स्कूल गतौली में वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समारोह में हरियाणवी, देशभक्ति, पंजाबी व हिंदी गीतों पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुती दी। नाटक के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर कटाक्ष किया गया। इस अवसर पर होनहार विद्यार्थी जिन्होंने पढ़ाई, खेलों एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया सम्मानित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के डायरेक्टर जितेंद्र ढांडा ने की। मुख्यातिथि में रूप में विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा कृष्ण लाल मिड्ढा ने शिरकत की। कार्यक्र में विशिष्ठ अंथिति के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री बिरेंद्र सिंह ने शिरकत की। रविवार को कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के प्रतिमा के पूर्जा-अर्जना के साथ की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में छोट.छोटे बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया। इस डांस ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग दे बंसती चोला गाने पर भी विद्यार्थियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पढ़ाई में मेरिट लेने वाले 10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों व समारोह में प्रस्तुती देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। नाटक के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या पर कटाक्ष किया गया और बताया गया कि लड़की लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। यह तो केवल सोच का फर्क है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अवश्य भाग लेना चाहिए। समाज में फैली दहेज हत्याए कन्या भ्रूण हत्या व नशा जैसी बुराईयों को समाज से उखाड़ फैंकने का आह्वान करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री बिरेंद्र सिंह ने कहा कि यह बुराईयों समाज को खोखला कर रही हैं। इस अवसर पर जिला पार्षद प्रतिनिधी पवन करसोला, नरेश बराड़, रामबीर, डायरेक्टर जितेंद्र ढांडा, पूनम ढांडा, प्रदीप, रोहताश, रेखा, सोनू, रीटा मौजूद रहे।

जुलाना। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुती देते छात्रा व ग्रुप डांस करते छोटे छात्र। फोटो :हरिभूमि

मकान से लाखों के जेवरात चुराए

कैथल। कवारतन में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया और ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण व हजारों रुपये की नकदी चुरा ली। इस दौरान मकान मालिक अपने परिवार के साथ कैथल शहर गए हुए थे।

जब वह वापस लौटे तो ताला टूटा हुआ मिला। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कवारतन निवासी संजीव ने सीवन थाने में दी शिकायत में बताया कि सात फरवरी को दोपहर के समय वह अपने परिवार के साथ घर से शहर गए थे। जब वह साढ़े तीन बजे घर पहुंचे तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था।अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था और उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब थे। एक मोबाइल व 10 हजार रुपये चोरी हो गए।